पूर्णमति माताजी का ज्ञानविधा चातुर्मास अहमदाबाद में

प्रवीण जैन, अहमदाबाद । अध्यात्म सरोवर के राजहंस हम सबकी आस्था के देवता वर्तमान के ज्येष्ठ और श्रेष्ठ आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज की सुयोग्य शिष्या कंठ कोकिला एवं अनेक सारगर्भित पूजाओं एवं विधानों की रचियत्री आर्यिका श्री 105 पूर्णमति माताजी का 'ज्ञान विद्या शीश' चौमासा न्यू सिटी ग्राउंड रोड़, अहमदाबाद में चल रहा है । 1 जुलाई को मंगल प्रवेश पर नगर के 4000 से भी अधिक श्रावकों द्वारा आर्यिकारत्न 105 पूर्णमति माताजी एवं आर्यिकासंघ की भव्य आगवानी पूर्ण भक्तिभाव व हर्षोल्लास के साथ कराई गयी । जिसमें गुजरात के गृहमंत्री श्री हर्ष संघवी जी एवं जैन समाज के भामाशाह श्री अशोक कुमारजी पाटनी (आर.के.मार्बल) किशनगढ़ भी शामिल थे, आपके द्वारा कार्यक्रम स्थल पर ध्वजारोहण एवं मंडल उद्घाटन का भव्य आयोजन सानंद संपन्न हुआ। 2 जुलाई को आर्यिका पूर्णमति माताजी ससंघ के कलश स्थापना का भव्य आयोजन समाज के हजारों श्रावकों की उपस्थिति में हुआ । प्रथम कलश की स्थापना अहमदाबाद नगर के भामाशाह श्री राजेन्द्रजी कटारिया परिवार व द्वितीय कलश की स्थापना का सौभाग्य श्री जिनेन्द्र कुमार प्रवीण कुमार जैन परिवार (जैनम ग्रुप) को प्राप्त हुआ ।

5 जुलाई से पूज्य माताजी के सानिध्य में 'आत्मा बोध' शिविर का शुभारंभ हो चुका है जिसमें 8 से अधिक की उम्र वाले 1000 से अधिक पुरुष श्रावक उपस्थित होकर धर्म लाभ ले रहे हैं। प्रतिदिन पूज्यनीय माताजी के मुखारविंद से ज्ञान की वर्षा हो रही है, ये अद्भुत, अविस्मरणीय व अकल्पनीय पल अहमदाबाद की समाज का अतिशय पुण्य है जो परम पूज्य आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी मुनिराज के आशीर्वाद से हमें पूर्णमति माताजी के सानिध्य में प्राप्त हुआ है।

संस्कारधानी जबलपुर में बह रही है धर्म की गंगा

जबलपुर, अरविंद कुमार जैन 'बाकल' । इस युग के श्रेष्ठ आचार्य भगवंत तपोनिष्ट 108 श्री विद्यासागरजी महामुनिराज के आशीर्वाद से संस्कारधानी जबलपुर नगर व उपनगरों में आर्यिका संघों का चातुर्मास साआनंद चल रहा है । चातुर्मास कार्यक्रम में आर्यिका श्री 105 ऋजुमति माताजी ससंघ श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर अग्रवाल कॉलोनी, आर्यिका श्री 105 चिंतनमति माताजी ससंघ श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर कंचन विहार विजय नगर, आर्यिका श्री 105 आदर्शमती माताजी ससंघ प्रतिभा स्थली तिलवारा घाट, आर्यिका श्री 105 दुलर्भमति माताजी ससंघ श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन स्वर्ण मंदिर लाड़गंज, आर्यिका श्री 105 अन्तरमति माताजी ससंघ श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर शिव नगर, आर्यिका श्री 105 अपूर्वमति माताजी श्री चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर संगम कॉलोनी, आर्यिका श्री 105 श्वेतमति माताजी शासनादेश तीर्थ हनुमान ताल, आर्यिका श्री 105 अनुभवमति माताजी श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पुरवा, आर्यिका श्री 105 उद्योतमति माताजी बड़े जैन मंदिर गढ़ा, आर्यिका श्री 105 अखंडमति माताजी उपनगरी क्षेत्र बरेला एवं क्षुल्लक श्री 105 तत्वसागरजी ससंघ सहित 26 महाराजजी का मांगलिक चतुर्मास दयोतीर्थ तिलवारा घाट में पूर्ण भक्तिभाव के साथ साआनंद हो रहा है । आर्यिका संघों का भव्य नगर आगमन 20 जून को डी.एन.बोर्डिंग मंदिर, मालवीय चौक से श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन स्वर्ण मंदिर लाडगंज की ओर हुआ। भव्य कार्यक्रम की श्रृंखला में समस्त आर्यिका संघ एवं क्षुल्लक संघ के परम सानिध्य में त्रिदिवसीय भव्य मुनि दीक्षा के आयोजन में युग श्रेष्ठ आचार्य श्री गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज का 56वां मुनि दीक्षा दिवस एवं आर्यिका श्री 105 आदर्शमति माताजी का 31वां दीक्षा दिवस समारोह आचार्य छत्तीसी विधान एवं आचार्य श्री जी के पूजन के साथ हर्षोल्लासपूर्वक आचार्य श्री विद्यासागर भवन एवं कमानिया गेट पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ । इस अवसर पर आर्यिका संघ के संस्मरण एवं प्रवचन व अन्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन दिगंबर जैन पंचायत सभा एवं स्थानीय समाज की सभी संस्थाओं द्वारा सुव्यवस्थित रुप से किया जा रहा है । समस्त आर्यिका संघों की आगवानी एवं कलश स्थापना समारोह भव्यता पूर्वक आयोजित किया गया। गोलालारीय समाज के कई सदस्य इन आयोजनों में अपनी सहभागिता निभाते हुए पुण्य अर्जित कर रहे है। नगर में इन मंदिरों में धर्म की कक्षाएं, प्रवचन श्रृंखला व शंका समाधान का कार्यक्रम उत्साहपूर्वक चल रहा हैं। नगर में धर्म की गंगा में समाजजन उत्साह पूर्वक उपस्थित होकर धर्मलाभ ले रहे हैं।

धर्मस्थल को पर्यटन स्थल बनने से कैसे रोका जाए ?

जहां भी पहाड़ पर्वत और प्राकृतिक सुंदरता होती है वहां पर्यटन स्वत: विकसित होने लगता है। हमारे बहुत सारे क्षेत्र ऐसे हैं जो कि पहाड़ पर हैं और प्राकृतिक सुंदरता से घिरे हुए हैं । ऐसी स्थिति में स्थानीय समाजजन के साथ अन्य लोग भी वहां भ्रमण करने के लिए आते हैं और धीरे-धीरे वह धर्म क्षेत्र, पर्यटन क्षेत्र में परिवर्तित होने लगता है ।**धर्म स्थल को पर्यटन स्थल बनने से रोकने का एक बहुत अच्छा उदाहरण जयपुर शहर के खानिया (चूलगिरी) स्थित मंदिर कमेटी से सीखा जा सकता है ।**

चूलगिरी जयपुर के बीच एक छोटा सा पहाड़ है जो की प्राकृतिक सुंदरता से घिरा हुआ है और उस पर पारसनाथ भगवान का एक भव्यतम मंदिर है, यहां पर सीढ़ियों और वाहन दोनों ही माध्यमों से आसानी से मंदिर तक पहुंचा जा सकता है । मंदिर से शहर का बहुत ही सुंदर और आसपास का प्राकृतिक नजारा नजर आता है, इसलिए यहां जैसे-जैसे सुविधा विकसित होती गई जैनियों के साथ अन्य जातियों के लोगों का भी आवागमन बढ़ता गया । किसी अन्य धर्म के व्यक्ति को मंदिर में प्रवेश से रोका तो नहीं जा सकता लेकिन उस पर मंदिर में प्रवेश संबंधी नियम तो लगाये ही जा सकते हैं ।

इसके लिए कमेटी ने सर्वप्रथम प्रवेश द्वार पर एक गार्ड को बैठाया जो कि जो भी व्यक्ति बरमूड़ा, नेकर या अवांछनीय वस्त्रों को पहनकर आता है या बीड़ी, सिगरेट गुटका आदि हाथ में लाता है तो उसको प्रवेश करने से रोक दिया जाता है। पर्यटन का आधा भाव तो दरवाजे पर ही खत्म कर दिया जाता है ।

पर्यटक आगे बढ़ता है और मंदिरजी में प्रवेश करता है तो उसका मुख्य उद्देश्य दर्शन करना नहीं बल्कि फोटो और सेल्फी लेना होता है । दूसरा जो बहुत ही सराहनीय कदम उठाया गया वह मंदिर जी में फोटो और सेल्फी लेने पर प्रतिबंध जब पर्यटक को फोटो सेल्फी आदि लेने से रोका जाता है तो वह ज्यादा देर नहीं रुकता और जल्दी ही बाहर निकल जाता है। इससे वास्तव में दर्शन करने वालों को असुविधा से मुक्ति मिलती है और अच्छे से दर्शन करने का लाभ भी प्राप्त होता है । यह ऐसा कदम है जिससे पर्यटन की नींव डगमगाने लग जाती है । जब पर्यटक मंदिर के बाहर निकलता है तो उसको सामने की तरफ बहुत ही सुंदर व्यू पांईट दिखते हैं जहां पर्यटक खड़े होकर, दीवारों पर बैठकर शहर के नजारे को देखते हुए फोटो, सेल्फी खींच सकता है लेकिन उन पांईट तक जाना ही रोक दिया गया है और वहां बोर्ड लगा दिया गया है कि यहां फोटो खींचना और सेल्फी लेना मना है । लेकिन मजेदार बात यह है कि पर्यटक को बोर्ड तो नजर ही नहीं आता या नजर आ जाता है तो वह उसे नजरअंदाज कर देता है । इसलिए वहां एक गार्ड भी लगा रखा है जो कि पढ़े-लिखे अनपढ़ो को बोर्ड पढ़ाने और रोकने का काम भी करता है। इसे कहते हैं पर्यटन की जड़ को ही खत्म कर दिया जाना ।

अनेक तीर्थ क्षेत्रों जहां प्राकृतिक सौंदर्य, अनुपम व अविस्मरणीय आभा लिये है । जैसे चूलगिरी, मांगी तुंगी, शिखरजी, गिरनारजी, बावनगजा, गजपंथा आदि पहले वहां इस तरह की कोई बंदिश नहीं थी, शुरु शुरु में हमें तो यह बंदिशे अजीब सी लगी कि यह क्या तमाशा है । लेकिन बाद में बहुत अच्छा लगा कि यह सब जो किया गया है वह अपने क्षेत्र की सुरक्षा के लिए ही किया जा रहा है, इसलिए हमें भी इसमे सहयोग करना चाहिए और इनके प्रयासों की सराहना करनी चाहिए । **संकलन** – राजेश जैन 'बीड़ीवाले', झांसी

विदिशा में वार्षिक स्नेह सम्मेलन संपन्न

राहुल जैन, विदिशा । श्री गोलालरीय दिगम्बर जैन समाज ट्रस्ट द्वारा अप्रैल माह में वार्षिक स्नेह सम्मेलन एवं सामूहिक स्नेह भोज का आयोजन सफलतापूर्वक सानंद संपन्न हुआ । जिसमें गोलालारीय जैन भवन के वार्षिक रख रखाव के सहयोगकर्ताओं का आदरपूर्वक सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज के सदस्यों ने 'साफ थाली अभियान (क्लीन प्लेट कैंपेन)' का संकल्प डा. राहुल जैन(सचिव) द्वारा समाज के वरिष्ठ सदस्यों श्री आनंद जैन, डा. संतोष सिंघई, श्री लल्लू लाल जी जैन (एडवोकेट), मेजर डा. सतीश चंद्र जैन, श्री दीपक जैन, श्री प्रतीक जैन, श्री नरेश जैन, श्री मुकेश जैन, श्री नेमीचंद जैन, श्री जिनेश जैन, श्री सुनील जैन, श्री आकाश जैन, श्री संजय जैन, श्री राजेश मनोरिया आदि के साथ विधिवत शुभारंभ पोस्टर जारी कर किया। जिसमें भोजन की बर्बादी को रोकने के संकल्प पत्र को प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने का आव्हान किया गया। इस कार्यक्रम में विदिशा के सभी परिवारों के समाजजन उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया ।